

प्रेषक,

टीकम सिंह पँवार,  
संयुक्त सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य महाप्रबन्धक,  
उत्तराखण्ड जल संस्थान,  
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 31 अगस्त, 2010

**विषय :-** पौड़ी-श्रीनगर पेयजल योजना के अन्तर्गत 02 पेयजल योजनाओं के पम्प सेट बदलने हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने कार्यालय के पत्र संख्या 5855/अप्रैल-03/धनावंटन /2009-10 दिनांक 26.3.2010 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2010-11 में राज्य योजना नगरीय के अन्तर्गत पौड़ी-श्रीनगर पेयजल योजना के अन्तर्गत 02 पेयजल योजनाओं में एक-एक पम्प सेट बदलने हेतु प्राकलित धनराशि रू0 169.50 लाख (रूपये एक करोड़ उनहत्तर लाख पचास हजार मात्र ) निम्नानुसार व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

(धनराशि रू0 लाख में)

क्र० सं०	प्राक्कलन	अनुमोदित धनराशि	स्वीकृत धनराशि
1.	पौड़ी-श्रीनगर पेयजल योजना (1.5 एम0एल0डी0) के अन्तर्गत श्रीनगर, मासों व छतकोट में एक-एक पम्पिंग सेट बदलना	82.47	82.47
2.	पौड़ी-श्रीनगर पेयजल योजना (02 एम0एल0डी0) के अन्तर्गत श्रीनगर, मासों एवं छतकोट में एक-एक पम्पिंग सेट बदलना	87.03	87.03
	<b>योग-</b>	<b>169.50</b>	<b>169.50</b>

2- स्वीकृत धनराशि का आहरण मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान, देहरादून के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षरयुक्त बिल देहरादून कोषागार में प्रस्तुत करके आवश्यकतानुसार ही किशतों में आहरित किया जायेगा। आहरण से सम्बन्धित बाउचर संख्या एवं दिनांक की सूचना शासन एवं महालेखाकार को तत्काल उपलब्ध कराई जाय।

3- स्वीकृति की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2011 तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को प्रस्तुत किया जाय।

4- कार्य कराने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शिडयूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति पर नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा।



- 5- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाय।
- 6- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृति धनराशि से अधिक का व्यय कदापित न किया जाय।
- 7- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से अनुमोदन प्राप्त कर लिया जाय।
- 8- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग/विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को कराना सुनिश्चित करें।
- 9- कार्य कराने से पूर्व उच्च अधिकारियों एवं भू-गर्भवता से कार्य स्थल का भली भौति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाय। निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाय।
- 10- उक्त कार्य के लिए सामग्री आदि के क्रय हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 तथा इसके विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्णय आदेशों का अनुपालन किया जायेगा।
- 11- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला में टैस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पाई जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
- 12- निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
- 13- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 एवं निर्माण एजेन्सी के विषय में समय-समय पर शासन द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य करते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 14- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में अनुदान संख्या-13 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक "2215-जलापूर्ति तथा सफाई-01-जलपूर्ति-आयोजनागत-101-शहरी जलपूर्ति कार्यक्रम-05-नगरीय पेयजल-03-नगरीय पेयजल योजनाओं का पुनर्गठन/जीर्णोद्धार/सुदृढीकरण हेतु अनुदान-20-सहायक अनुदान/ अंशदान राजसहायता" के नामे डाला जायेगा।
- 15- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 408/XXVII (2)/2010 दिनांक 26 अगस्त, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहें हैं।

भवदीय,

(टीकम सिंह पँवार)  
संयुक्त सचिव

प्र०सं० 121० (1)/उन्तीस(2)/10-2(52पे०)/2009 तददिनांकित

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. मण्डलायुक्त गढ़वाल, पौड़ी।

3. जिलाधिकारी, देहरादून।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
5. प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून।
6. वित्त अनुभाग-2/वित्त (बजट सैल)/राज्य योजना आयोग उत्तराखण्ड।
7. बजट अधिकारी (बजट निदेशालय), उत्तराखण्ड।
8. निजी सचिव, मा0 पेयजल मंत्री को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
9. स्टाफ ऑफिसर-मुख्य सचिव, को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
10. प्रभारी अधिकारी, मीडिया सेंटर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
12. निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
13. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(नवीन सिंह तड़ागी)

उप सचिव

क्र.सं.	विवरण	अनुमानित	वर्तमान
क्र.सं.	विवरण	अनुमानित	वर्तमान
1.	पीडी-सीआर प्रकल्प योजना (15 एम्पल्लोडी) के अन्तर्गत बीमार भाई व आशीष ने एक-एक रकम सेट बदलने के लिए प्रस्तावित धनराशि को 169.30 लाख रुपये एक करोड़ रुपये तक बढ़ाकर कुल मात्रा निम्नानुसार बढ़ाए गए हैं।	42.47	82.47
2.	पीडी-सीआर प्रकल्प योजना (15 एम्पल्लोडी) के अन्तर्गत बीमार भाई व आशीष ने एक-एक रकम सेट बदलने के लिए प्रस्तावित धनराशि को 169.30 लाख रुपये तक बढ़ाकर कुल मात्रा निम्नानुसार बढ़ाए गए हैं।	42.47	82.47
	कुल	84.94	164.94

2- सचिव, उत्तराखण्ड का आदेश क्रमांक 100/2019 दिनांक 31.03.2019 के अन्तर्गत देहरादून के उपस्थित कोषाधिकारी देहरादून के प्रतिनिधित्व में देहरादून जिलाधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होकर उपरोक्त विवरण के अन्तर्गत प्रस्तावित धनराशि को 169.30 लाख रुपये तक बढ़ाकर कुल मात्रा निम्नानुसार बढ़ाए गए हैं।

3- सचिव, उत्तराखण्ड का आदेश क्रमांक 100/2019 दिनांक 31.03.2019 के अन्तर्गत देहरादून के उपस्थित कोषाधिकारी देहरादून के प्रतिनिधित्व में देहरादून जिलाधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होकर उपरोक्त विवरण के अन्तर्गत प्रस्तावित धनराशि को 169.30 लाख रुपये तक बढ़ाकर कुल मात्रा निम्नानुसार बढ़ाए गए हैं।

4- सचिव, उत्तराखण्ड का आदेश क्रमांक 100/2019 दिनांक 31.03.2019 के अन्तर्गत देहरादून के उपस्थित कोषाधिकारी देहरादून के प्रतिनिधित्व में देहरादून जिलाधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होकर उपरोक्त विवरण के अन्तर्गत प्रस्तावित धनराशि को 169.30 लाख रुपये तक बढ़ाकर कुल मात्रा निम्नानुसार बढ़ाए गए हैं।